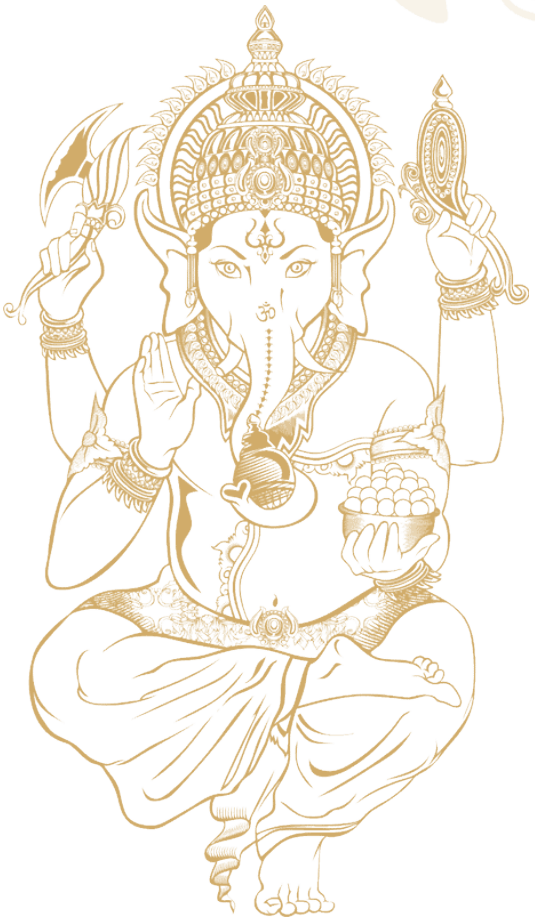

A pareek

Ritu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121347402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25-26/10/1988	जन्म तिथि	26/02/1989
मंगल-बुधवार	दिन	रविवार
घंटे 02:25:00	जन्म समय	11:45:00 घंटे
घटी 49:41:40	जन्म समय(घटी)	12:07:10 घटी
India	देश	India
Jaipur Rly Station	स्थान	Dinhata
26:54:00 उत्तर	अक्षांश	26:07:00 उत्तर
75:48:00 पूर्व	रेखांश	89:34:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:48	स्थानिक संस्कार	00:28:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:32:20	सूर्योदय	05:58:31
17:48:24	सूर्यास्त	17:31:09
23:42:07	चित्रपक्षीय अयनांश	23:42:28

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 12वर्ष 6मा 27दि	13:10:45	सिंह	लग्न	वृष	28:30:53	राहु 6वर्ष 10मा 19दि
राहु	08:57:44	तुला	सूर्य	कुंभ	13:55:15	शनि
24/05/2024	18:16:58	मेष	चंद्र	तुला	14:53:59	16/01/2012
24/05/2042	06:12:45	मीन व	मंगल	मेष	28:21:59	16/01/2031
राहु 04/02/2027	20:38:35	कन्या	बुध	मक	18:34:57	शनि 19/01/2015
गुरु 30/06/2029	10:49:50	वृष व	गुरु	वृष	04:36:31	बुध 28/09/2017
शनि 05/05/2032	01:22:30	कन्या	शुक्र	कुंभ	04:29:05	केतु 07/11/2018
बुध 23/11/2034	04:41:41	धनु	शनि	धनु	17:47:42	शुक्र 06/01/2022
केतु 11/12/2035	19:18:18	कुंभ व	राहु व	कुंभ	11:09:30	सूर्य 19/12/2022
शुक्र 11/12/2038	19:18:18	सिंह व	केतु व	सिंह	11:09:30	चन्द्र 20/07/2024
सूर्य 05/11/2039	04:23:55	धनु	हर्ष	धनु	10:52:24	मंगल 28/08/2025
चन्द्र 06/05/2041	14:05:32	धनु	नेप	धनु	18:05:07	राहु 04/07/2028
मंगल 24/05/2042	18:24:39	तुला	प्लूटो व	तुला	21:27:09	गुरु 16/01/2031

लग्न-चलित

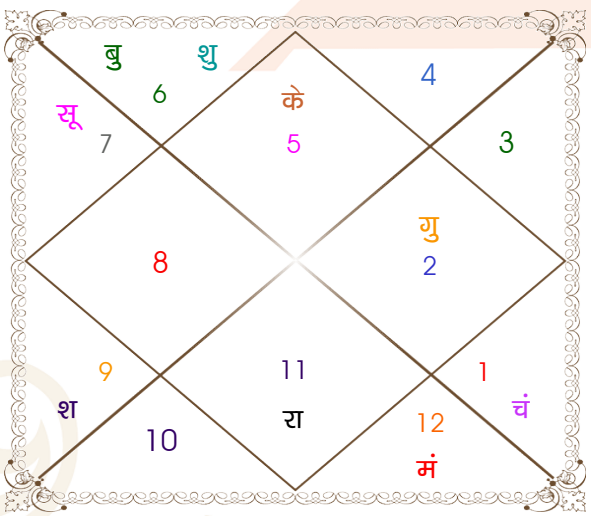

लग्न-चलित

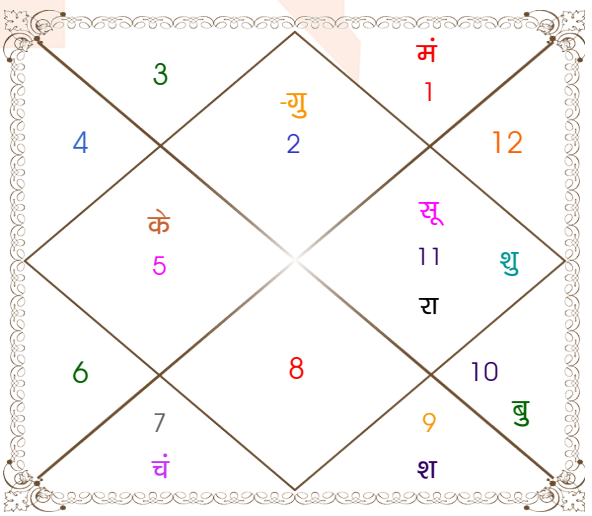

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

A pareek का वर्ग मृग है तथा Ritu का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार A pareek और Ritu का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

A pareek मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल A pareek कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ritu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ritu कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ritu कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ritu कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

A pareek तथा Ritu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।